अखंड भारत संगम

स्थापित जन्माष्टमी 2020
(सम सीतोष्ण जलवायु के देशों का संयुक्त राज्य)
पंजीकृत कार्यालय बी 11, जी–3 आम्रपाली कन्हा सोसाइटी
राष्ट्रीय राजमार्ग 2 चौमुहाँ, मथुरा, भारत 281406

संसार चन्द्र
संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष
91–8800901448
91–9311154194

Web.: www.akhandbharatsangam.org
Email : akhandbharatsangam101@gmail.com

अनुज कौशिक
कोषाध्यक्ष
8287966427

न्यूनतम साझा कार्यक्रम

लक्ष्य :– नए विचारों को अपनाने वाली सामाजिक व्यवस्था, जिसमें जीवन्त लोकतन्त्र द्वारा सरकार बने, जो जनता के प्रति जबाब देह हो। ''वसुधैव कुटुम्ब''। भारत का प्राचीन सनातन सामाजिक व्यवस्था के वानप्रस्थ नागरिकों को समाज सेवा के कार्यों में सरकारी सहयोग करके वह कार्य किया जा सकता है।

Aim : Open Society to make world citizen who will work to build vibrant and inclusive democracy whose governments are accountable to their people. "Whole World is on family" "One World One Government One Future"

श्री कृष्ण ने गीता में अध्याय 4 श्लोक 13 में कहा – वर्ण (जाति) मैंने गुण और कर्म (Profession–व्यवसाय) के आधार पर बनाई है जन्म के आधार पर नहीं बनाई। ज्ञान, तपस्या और आत्मज्ञान अखंड भारत की पहचान।

विदेशी ताकतों की बांटो और राज करो'' की नीती सबको मालूम हो गई है। षड़यन्त्र द्वारा साम्प्रदाईक दंगे करवा कर हमारे नेताओं को यह घुट्टी (छोटे बच्चों को पिलाई जाने वाली दवाई) पिलाई गई, कि बंटवारा कल लो, तो शान्ति से रह सकोगे। परन्तु 75 वर्षों में पाक पड़ौसी से चार युद्ध हो चुके, और अब अगर अगला युद्ध हुआ, तो विश्व युद्ध होगा, परिणाम सर्वनाथ होगा।

अतः हमारे विचार से ''भय के बिना प्रेम नहीं पनपेगा''। श्री राम ने रामायण में समुद्र से कहा –

''विनय न मानत जलधि जड़, गऐ तीन दिन बीत।
बोले राम सकोप तब, ''भय बिन होय न प्रीत।।''

फिर श्री राम ने समुद्र को ही पूरा सुखाने के लिए धनुष पर बाँण बढ़ाया, तो घबरा कर समुद्र हाथ जोड़ कर सामने आया और राम सेना को समुद्र पार करने में सहयोग किया। अतः प्रशान्त महासागर से अटलांटिक महासागर तक सम सीतोष्ण (Tropical) जलवायु के देशों का एक शक्तिशाली संगम बनाना है, उसी के भय से विश्व युद्ध की आशंका खत्म होकर शान्ति, समृद्धि और सन्तोष समाज में होगा। भारत की आबादी दुनियाँ की आबादी का 25 प्रतिशत है जबकि भारत के पास दुनियाँ की केवल 2 प्रतिशत जमीन है। 8 प्रतिशत नव जवान लड़की लड़के बेरोजगार है। अतः सभी राज्य और केन्द्र सरकारें अपना लाखों करोड़ का उधार चुकाऐं और देश तथा विदेशों में उत्पादक क्षेत्र में तथा सभी विदेशी बाज़ारों में नए मॉल बनवा कर भारतीय उत्पादों को बेचा जाय। इस तरह निवेश करके सब को रोजगार दें। जिन सरकारों पर कर्ज है वो अगर मुफ्त में कुछ दे तो उनसे इस्तीफा लिया जाय।

हमारी नीति :
1. हरे भरे खेत, पहाड़, जंगलों और साफ शुद्ध पानी की नदियाँ, झीलें, तालाबों और कुओं द्वारा पर्यावरण की रक्षा नागरिकों और सरकार का पहला कर्तव्य है।
2. धरती, धर्म (पंथ, मजहब) और धन्धे (आर्थिक उद्योग व्यापार) में सरकारी दखलअंदाजी बन्द हो। 1 प्रतिशत बैंकिंग लेनदेन टैक्स लेकर सरकार, शिक्षा, ज्ञान और अनुसंधान में निवेश करे। जिस देश की सरकार व्यापारी, उस देश की जनता भुगते बेरोजगारी, महंगाई।
3. देश की सुरक्षा के लिए गुरू गोविन्द सिंह जी के जन्म स्थान पटना में वायू सेना, शिवाजी के जन्म स्थान पर नौ सेना और महाराणा प्रताप के जन्मस्थान पर थल सेना की शिक्षा दी जाएगी।
4. सरकार अपना ध्यान जनता को सभी प्रकार की सुरक्षा देने में लगाए। महिलाओं को चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण मिले। गृह तथा वित्त मंत्रालय महिलाओं को मिलें। बच्ची–बच्चों को गोद में लेते ही माँ और बाप की जिम्मेदारी और कर्तव्य है कि वे आत्म ज्ञान द्वारा उन्हें संस्कारी और अनुशासित नागरिक बनाए।
5. सभी को रोजगार दे, गरीबी मिटाए। एक राष्ट्र एक चुनाव के साथ ही ''Fair Price for Goods and Services Mission'' के द्वारा सभी नौकरी करने वालों को समान आमदनी दी जाए।
6. भारत के सभी जिलों में कम से कम एक गुरूकुल (रिहायशी मदरसा / Residential University) निजी क्षेत्र (Public) द्वारा खोली जाय। जिसमें आयुर्वेद की शिक्षा के साथ शुद्ध जड़ी बूटी भी पैदा की जाय। उसके लिए राज्य सरकारें 100 वर्षों की लीज पर जमीन दें।

नोट :
1. रोजगार दो या भत्ता दो, युवा जनों को सत्ता दो, अगर नहीं है रोजगार, तो मासिक भत्ता दे सरकार।
2. बहुत हुई बेरोजगारी–मँहगाई की मार, अबकी बार अखंड भारत की सरकार।
3. अगर बढ़े महंगाई तो, उतनी ही बढ़े सबकी कमाई। इससे हर बच्ची और बच्चे को अपने माँ बाप से जयादा खुशी होने के अवसर मिलेंगे। पूत कपूत तो क्यों धन संचै और पूत सपूत तो क्यों धन संचै।
4. तुरन्त किसान आयोग बने कानूनी एम.एस.पी. मिले।
5. हर बच्ची / बच्चे को सम्पत्ति के व्यक्तिगत उत्तराधिकार की अधिकतम सीमा 1 किलो सोना या उसके मूल्य के बराबर कोई भी सम्पत्ति मिले / यह कानून संविधान संशोधन करके हो। बचे हुए धन का ट्रस्ट बना कर पूँजीपति दान करें या व्यापार करें। इसे समझने के लिए हमारी वेब साईट www.vyavasthaparivartan.org में प्राकृतिक दर्शन (Natural Phylosophy) पढ़िए।

पार्टी का राजनैतिक लक्ष्य अखंड भारत है। यह व्यवस्था परिवर्तन गठबन्धन का सदस्य है। पूरी जानकारी के लिए हमारी वेब साईट www.akhandbharatsangam.org, www.vyavasthaparivartan.org में प्राकृतिक दर्शन (Natural Phylosophy) पढ़िए और पन्ना उलटिए।

अन्य गठबन्धनों से आगे जनता के राजनैतिक सशक्तिकरण हेतु व्यवस्था परिवर्तन के सदस्यों के वोटों से चुने गऐ प्रत्याशी के द्वारा ''व्यवस्था परिवर्तन गठबन्धन'' को सत्ता में लाकर ग्राम स्वराज'' और वार्ड स्वराज लाना हमारी विशेषता है।

व्यवस्था परिवर्तन गठबंधन (स्थापित 23.01.2000)

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जन्म दिवस

CHANGE OF SYSTEM / निजाम का बदलाव

पंजीकृत कार्यालय : बी–11, जी–3, आम्रपाली कान्हा सोसाइटी, राष्ट्रीय राजमार्ग–2, चौमुहा, मथुरा, भारत, पिन–281406

संरक्षक – डा0 शिवराम सिंह गौर, फोन : 9453286099

संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष – संसार चन्द्र, फोन : 8800901448 / 8826721028 व्हाट्सऐप : 9311154194

कोषाध्यक्ष – अनुज कौशिक, फोन : 8287966427

Website : www.vyavasthaparivartan.org Email : changeofsystem8@gmail.com

न्यूनतम साझा कार्यक्रम

लक्ष्य :– नए विचारों को अपनाने वाली सामाजिक व्यवस्था, जिसमें जीवन्त लोकतन्त्र द्वारा सरकार बने, जो जनता के प्रति जबाब देह हो। ''वसुधैव कुटुम्बकम्'

Aim : Open Society to make world citizens who will work to build vibrant and inclusive democracy whose government are accountable to their people. "Whole world is one family". "One World, One Government, One Future"

– पर्यावरण परिवर्तन से जनता की रक्षा से ही जनता को सुरक्षा मिलेगी।

– हरे भरे खेत, पहाड़, जंगल और साफ शुद्ध पानी की नदियाँ, झीलें, तालाब और कुऐं बना कर उनकी रखवाली करना, सरकार और नागरिकों का पहला कर्तव्य है। हर बच्ची और बच्चा जब एक पेड़ लगाएगा तब ही उसे वोट का अधिकार मिलेाग।

– आज की व्यवस्था है लालची डाक्टर (वैद्य, हकीम), दवा करे तजवीज।
भरतपूर कमाई करते रहें, सदा बिस्तर पर रहे मरीज।

– व्यवस्था परिवर्तन है भला डाक्टर (वैद्य, हकीम), दवा करे तजवीज,
सभी बीमारियाँ जड़ से मिटें, स्वस्थ, खुश, सन्तुष्ट रहे मरीज।

– इसे समझने के लिए ऊपर लिखी हमारी वेबसाईट पूरी पढ़िए और इसमें प्राकृतिक दर्शन (Natural Philosophy) पुस्तक में दिए गए ज्ञान के आधार पर सम्पत्ति के उत्तराधिकार की अधिकतम सीमा एक किलो सानेा ''संविधान संशोधन'' करते हुए नई राजनीती प्रकृतिवाद के लक्ष्य'' व्यवस्था परिवर्तन'' करने के लिए राज्य सरकार और केन्द्र सरकार में 2/3 बहुमत से जिताईए।

– नीलामी में टिकटें खरीदकर, सरकारें बनाई, बार बार, पर ''भ्रष्ट व्यवस्था'' से पीड़ित, जनता रही परेशान, लाचार।

– अब व्यवस्था परिवर्तन के सदस्य, वोट से तय करेंगे टिकट, यही ''मन्त्र'' है। ''व्यवस्था परिवर्तन'' के जनता सशक्तिकरण का सार।
बहुत हुई बेरोज़गारी और मंहगाई की मार, अबकी बार व्यवस्था परिवर्तन की सरकार।

– सरकारें तो बदली बार बार, व्यवस्था बदलो अबकी बार
बहादुर शाह, नानाजी, लक्ष्मी बाई, सुभाष, अम्बेडकर, अशफाक उल्ला,
भगत सिंह, लोहिया, जयप्रकाश, जनता को अधिंयारे में देते प्रकाश।

– बेरोजगारी से आज़ादी
– महंगाई से आज़ादी
– भ्रष्टाचार से आज़ादी
– नारी की गरिमा को आज़ादी
– तुष्टीकरण से आज़ादी
– बहुसंख्यक वाद से आज़ादी

– रोजगार दो, या फिर भत्ता दो, युवा जनों को सत्ता दो,
अगर दे नही सकते रोजगार, तो मासिक भत्ता दे सरकार।

– जितनी बढ़े महंगाई, उतनी ही बढ़े सबकी कमाई, हर खेत को पानी, हर हाथ को काम, हर पेट को रोटी, हर फसल पर कानूनी MSP बाकी समस्याओं का समाधान किसान आयोग तुरन्त करेगा।

कार्यक्रम :– अगर जनता और ज्यादा अच्छी सरकार चाहती है तो उससे हमारी
Website : www.vyavasthaparivartan.org हिन्दी भाषा में ध्यान से पढ़ना और उसके अनुसार जागरूक हो कर ''व्यवस्था परिवर्तन'' के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करना होगा। तथा अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार में 2/3 बहुमत से जीत हासिल करना होगा।

जो नागरिक चुनाव लड़ना चाहते हैं वे हमारी ऊपर लिखी गई वैबसाईट में व्यवस्था परिवर्तन गठबन्धन के संविधान की धारा 16 ध्यान से पढ़कर अपना टिकट सदस्यों के बहुत से लें और निश्चित ही चुनाव जीतें।

व्यवस्था परिवर्तन गठबन्धन के एक सदस्य अखंड भारत संगम पार्टी के राजनैतिक लक्ष्य ''अखंड भारत'' के बारे में जानने के लिए पन्ना उलटिए।